



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

*Han*  
*3/7/97*

सं. 225 ]  
No. 225 ]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 4, 1997/ज्येष्ठ 14, 1919  
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 4, 1997/JYAISTHA 14, 1919

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 1997

**सा. का. नि. 305 (अ):**—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कठिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1क) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात्, बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें सह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 60 दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसे किसी आक्षेप या सुझावों पर जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त होगी, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011 को भेजे जा सकते हैं।

## प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1997 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे सिवाय नियम 2 और 4 के जो प्रकाशन की तारीख से 6 मास के पश्चात् प्रवृत्त होंगे।
2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के नियम (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) के नियम 47 के उपनियम (1) में, पहले परन्तुक में, "और उनमें वाहक/या पूरक पदार्थ हो सकते हैं" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

" और उनमें निम्नलिखित वाहक/पूरक पदार्थ हो सकते हैं, अर्थात्:—

1. डेक्सट्रोस
  2. लैबटोस
  3. माल्टोडेक्स्ट्रन
  4. मानिटोल
  5. सूक्रोज
  6. इसोमाल्ट
  7. साइट्रिक अम्ल
  8. कैलिशयम पिस्लीकेट
  9. कोबोक्सीमिथाइल सेलूटोस
  10. टारटार क्रीम आई पी
  11. क्रास कारमेलोस सोडियम
  12. कोलाइडी सिलीकोन डाइटाक्साइड
  13. ग्लाइसिन
  14. ग्लिसरीन आई पी/ग्लिसरोल
  15. एल-त्यूसीन
  16. मैग्नीशियम स्टीयरेट आई पी
  17. शोधित टैल्क
  18. पोलीथिनाइल पिरोलिडोन
  19. प्राविडान
  20. सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट
  21. स्टार्च
  22. टारटारिक अम्ल
3. मूल नियमों के नियम 55 में,—

(क) प्लावर कन्फैक्शनरी से संबंधित क्रम सं. 29 के सामने, स्तम्भ (2) में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

सार्थिक अम्ल जिसके अंतर्गत इसका सोडियम पॉटेशियम और कैलिशयम लवण (सार्थिक अम्ल के रूप में संगणित) भी है।

(ख) क्रम संख्या 41 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

1	2	3
"42 सूखा आलू बुखारा	पोटेशियम खार बेट	1000"

4. मूल नियमों के नियम 7 की सारणी में मेधिल प्रारद से संबंधित क्रम संख्यांक 8 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

1	2	3
"9. क्रोमियम	परिष्कृत चीनी	20 पीपीबी"

5. मूल नियमों के नियम 61 में अन्त में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह भी कि ग्लिसरोल मोनोस्टीएट का चाथल की वर्मी सैली में भार के आधार पर एक प्रतिशत अधिकतम सीमा तक उपयोग किया जा सकेगा।"

6. मूल नियमों के नियम 61क के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

" 61 ड. -जैच्येन गोंद का खाद्य वस्तुओं में भार के आधार पर अधिकतम 0.5 प्रतिशत सीमा तक उपयोग किया जा सकेगा।"

## 7. मूल नियमों में परिशिष्ट खं में,—

(क) मद क. 11.02.18.02 में - दुरध-अनाज प्रधान अपस्तन्य आहार पहले पैरा में, "इसमें फल और बनस्पति अन्तर्वस्तु भी हो सकती है", शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"इसमें क्षेत्री - अल्फा-एमीलेस भार के आधार पर अधिकतम 25 प्रतिशत सीमा तक हो सकता है। इसमें फल, बनस्पति, अण्डा या अण्डे के उत्पाद भी हो सकते हैं।"

(ख) मद क. 18.11 में, "सूजी या मैदा" शब्दों के स्थान पर "सूजी या मैदा या चाषल" शब्द रखें जाएंगे।

[सं. पी-15014/6/96-पी एच.(फूड)]

रेणु साहनी धर, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 4th June, 1997

**G.S.R. 305(E).**—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 which the Central Government after consultation with the Central Committee for Food Standards, proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (1A) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), is hereby published as required by said section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which the notification is published are made available to the public;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government;

Objections or suggestion, if any may be addressed to the Secretary, Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health), Nirman Bhavan, New Delhi-110 011.

### DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1997.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Gazette except rules 2 and 4 which shall come into force after six months from the date of their publication.
2. In sub-rule (1) of rule 47 of the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the principal rules), in the first proviso, for the words, "and may contain carrier/or filler articles," the following shall be substituted, namely :—

"and may contain the following carrier/fillers, articles namely :—

1. Dextrose
2. Lactose
3. Maltodextrin
4. Mannitol
5. Sucrose
6. Isomalt
7. Citric acid
8. Calcium silicate
9. Carboxymethyl Cellulose

10. Cream of Tartar IP
11. Cross Carmellose sodium
12. Colloidal silicene dioxide
13. Glycine
14. Glycarin IP/Glycerol
15. L-leucine
16. Magnesium stearate IP
17. Purified Talc
18. Poly vinyl pyrrolidone
19. Providone
20. Sodium hydrogen carbonate
21. Starch
22. Tartaric acid”.

3. In rule 55 of the principal rules,—

- (a) against serial 29, relating to flour confectionery, in column (2), for the entry, the following shall be substituted, namely :—  
“Sorbic acid including Sodium Potassium and Calcium salts (calculated as Sorbic acid)”.
- (b) after serial No. 41, and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

1	2	3
“42. Prunes	Potassium Sorbate	1000”

4. In rule 57 of the principal rules, in the Table, after serial No. 8 relating to Methyl Mercury and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

1	2	3
“9. Chromium	Refined Sugar	20 ppb”

5. In rule 61 of the principal rules, the following proviso shall be added at the end, namely:—

“Provided also that Glycerol Monostearate may be used in Rice vermicelli upto a maximum extent of 1 per cent by weight”.

6. After rule 61D of the principal rules, the following shall be inserted, namely :—

“61 E—Use of Xanthan Gum—Xanthan Gum may be used in food articles, upto a maximum extent of 0.5 per cent by weight”.

7. In appendix B of the principal rules,—

- (a) in item A.11.02.13.02—Milk Cereal Based Weaning Foods, in the first paragraph, for the words, “It may also contain fruit and vegetables”, the following shall be substituted, namely:—  
“It may also contain fungal-alfa-amylase upto a maximum extent of 0.025 per cent by weight. It may also contain fruits, vegetables, egg or egg products”.
- (b) in item A.18.11, for the words “obtained from Suji or maida”, the words “obtained from suji or maida or rice” shall be substituted.

[No. P.15014/6/96-PH(Food)]

RENU SAHNI DHAR, Lt. Secy.